include Outstanding dues from the concerned SEBs against sale of power, liability on account of man-power absoruption, status of input tie-up, unit-size, scope of expansion, health of the plant etc.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Delay in Vizag Power Project

268. DR. Y. LAKSHMI PRASAD:
SHRI YERRA NARAYANASWAMY:

Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Vizag power project fails to break jinx and is being delayed;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the measures proposed to make the Railways and Coal Ministries give "concessions" to this fast-track project for its early completions?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGALAM): (a) to (c) The 1040 MW Visakhapatnam Thermal Power Project in Andhra Pradesh being promoted by Ms Hinduja National Power Corporation Limited (HNPCL) has received the counter guarantee of Government of India on August 19,1998. M/s HNPCL has since signed the requisite agreements with the concerned agencies of the Central Government and according to information available, are presently resolving certain issues relating to the Power Purchase Agreement with Andhra Pradesh State Electricity Board and negotiating with the financial institutions and foreign lenders for financing the project. The project is scheduled for commissioning after 44 months from the date of financial closure by the promoters.

बिजली उत्पादन की लागत का अनुमान

269. **श्री कपिल सिब्बल** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने देश में बिजली उत्पादन की लागत दर का अनुमान लगाया हैं,

(ख) यदि हां, तो 1998-99 के वित्तीय वर्ष के दौरान देश में तापीय, पन विद्युत और आणविक क्षेत्रों में बिजली उत्पादन की औसत लागत की दर कितनी-कितनी होने का अनुमान हैं,

(ग) क्या यह भी सच हैं कि देश में बिजली उत्पादन की लागत दर विश्व की तुलना में बहुत अधिक हैं, और

(घ) यदि हां, तो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बिजली उत्पादन की औसतन लागत दर क्या हैं ?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर पारम्परिक उर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी. आर कुमार मंगलम) : (क) और (ख) तकनीकी-आर्थिकी स्वीकृति (टी. ई. सी.) के समय प्रस्तुत अनंतिम वित्तीय पैकेजों के आधार पर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (के. वि. प्रा.) द्वारा स्वीकृत ताप विद्युत और विद्युत परियोजनाओं की उत्पादन लाग वर्ष 1993 से 1999 के बीच क्रमश : 1.88 रु. प्रति कि. वा. घं. प्रति कि. वा. घं. से 3.8 रु. प्रति कि. वा. घं तक भिन्न-भिन्न हैं । न्यूक्लीयर विद्युत परियोजनओं के मामले में वर्ष 1996 से 2001 के बीच विद्युत बिक्री की दर 0.82 रुपये से 2.13 रुपये प्रति कि. वा. घं. तक भिन्न-भिन्न हैं ।

और (घ) ईधन की लागत, ईधन लाने ले जाने की लागत, पूंजीगत लागत, कर प्रणाली आदि में विभिन्नता के कारण विद्युत उत्पादन की लागत की तुलना में विभिन्न देशों की विद्युत उत्पादन लागत से करना कठिन हैं ।

Chamera Phast-II

270. SHRI ANIL SHARMA: Will tht Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 300 MW Chamera Phase-ll is going to be implemented by NHPC; and

(b) if so, the details thereof including the project cost and expected deadline for its completion?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P.R. KUMARAMANGLAM): (a) and (b) The Chamera Hydro-electric Project Stage-ll is being processed for an investment decision. The Project which has been entrusted to NHPC will require an investment of Rs. 1,684.02 crores at August, 1998, price level including IDC and financing charges of Rs. 267.68 crores based on the lowest evaluated offer of Ms. Indo Canadian Hydro Consortium (ICHC). The project is scheduled to be completed in a period of 5 years.

नर्मदा और ताप्ती नदियों से बिजली उत्पादन हेतु सवेंक्षण

271. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नर्मदा और ताप्ती नदियों से पन विद्युत उत्पादन के संबंध में मंत्रालय द्वारा कोई व्यापक सवेंक्षण कराया गया हैं,

(ख) यदि हां, तो उन विभिन्न स्थानों की अनुमानत विद्युत उत्पादन क्षमता कितनी हैं जहां पर पन-विद्युत उत्पादन किया जा सकता हैं,

(ग) क्या इन नदियों से पन- विद्युत उत्पादन के संबंध में सभी राज्यों से परामर्श कर लिया गया हैं, और

(घ) यदि हां, तो इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई हैं ?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी. आर. कुमारमंगलम) : (क) और (ख) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा 1978 से 1987 के दौरान "देश में प्रमुख/मध्यम स्कीमों की जल विद्युत शक्यता के पुनः मूल्यांकन के पुनः मूल्यांकन" के लिए किए गए अध्ययनों के अनुसार नर्मदा और ताप्ती नदियों की जल विद्युत शक्यता क्रमशः 1312 मे. वाट और 119.5 मे. वाट (60% भार अनुपात पर) आंकी गई हैं जिसका ब्यौरा विवरण में दिया गया हैं । (नीचे देखिए)

(ग) संबंधित राज्य नर्मदा जल विवाद अधिकरण पंचाट के अनुसार सरदार सरोवर परियोजना से विद्युत के उत्पादन पर सहमत हो गए हैं । मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र मे मध्य गठित एक अंतराज्यीय नियंत्रण बोर्ड ताप्ती नदी पर परियोजनाओं के निर्माण और मानीटरंग के लिए निदेश/ मार्गदर्शी सिद्धांत प्रदान करता हैं ।

(घ) उपरोक्त मूल्यांकित क्षमता में से, नर्मदा और ताप्ती नदियों पर क्रमशः 984.8 मे0 वाट0 और 83.7 मे0 वा0 की जल विद्युत स्कीमें या तो पहले ही विकसित की ली गई है अथवा निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं में हैं ।

विवरण

क्र. सं.	स्कीम का नाम	नदी	60%भार अनुपात पर शक्यता (में. वा.)
(क)	नर्मदा नदी में जल विद्युत स्कीमें		
1.	रूसा	नर्मदा	6.2
2.	धर्मपुर	नर्मदा	4.7
3.	देवरी	नर्मदा	8.5
4.	रिसवानी	नर्मदा	14.6
5.	बसनिया	नर्मदा	38.3
6.	बारगी	नर्मदा	74.6
7.	जहानपुर	नर्मदा	47.7
8.	नर्मदा सागर	नर्मदा	449.8